जागरण

प्रधानमंत्री गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान से जुड़ेंगे ट्रांसपोर्ट व लाजिस्टिक हब

Author: Jagran
Publish Date: Thu, 28 Jul 2022 09:39 PM (IST) | Updated Date: Thu, 28 Jul 2022 09:40 PM (IST)

जागरण संवाददाता ग्रेटर नोएडा ग्रेटर नोएडा की दो प्रमुख परियोजनाएं मल्टीमाडल ट्रांसपोर्ट हब और मल्टीमाडल लाजिस्टिक हब प्रधानमंत्री गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान से जुड़ेंगे। बोड़ाकी के पास बनने वाली इन दोनों परियोजनाओं के मास्टर प्लान को गति शक्ति के पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा की दो प्रमुख परियोजनाएं मल्टीमाडल ट्रांसपोर्ट हब और मल्टीमाडल लाजिस्टिक हब प्रधानमंत्री गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान से जुड़ेंगे। बोड़ाकी के पास बनने वाली इन दोनों परियोजनाओं के मास्टर प्लान को गति शक्ति के पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इससे दोनों परियोजनाओं को बेहतर तालमेल से जल्द विकसित करने में आसानी होगी। ये दोनों परियोजनाएं डीएमआइसी-आइआइटीजीएनएल के अंतर्गत ही विकसित होंगी।

गति शक्ति नेशनल प्लान के शुभारंभ के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा स्थित इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड (आइआइटीजीएनएल) की इंटीग्रेटेड टाउनशिप, लाजिस्टिक व ट्रांसपोर्ट हब को सराहा था। उन्होंने कहा था कि यह टाउनशिप देश के उद्योगों को ऐसी सुविधाएं देने का प्रयास है, जो प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त है। देश-दुनिया के निवेशकों को सिर्फ अपना सिस्टम लगाना है और काम शुरू कर देना है। भारत के पोत व अन्य भागों को डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर के जरिए टाउनशिप से जोड़ा जा रहा है। इसके लिए यहां लाजिस्टक हब बनेगा। इसी के बगल में ट्रांसपोर्ट हब बनेगा, जिसमें स्टेट आफ द आर्ट रेलवे टर्मिनल होगा। राज्यीय व अंतरराज्यीय बस अड्डा भी बनेगा। यह मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम से जुड़ेगा। प्रधानमंत्री के इस ऐलान को अमलीजामा पहनाने के लिए कोशिशें तेज हो गईं हैं । न्यू दादरी से लाजिस्टिक हब तक बनेगी रेलवे लाइन : गौतमबुद्ध नगर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित उद्योगों के उत्पाद व कच्चा माल, कृषि उत्पाद देश के कोने-कोने से औद्योगिक उत्पाद आसानी से लाजिस्टिक हब तक पहुंच सके, इसके लिए डीएफसीसी के न्यू दादरी से लाजिस्टिक हब तक करीब पांच किलोमीटर लंबी डेडिकेटेड रेलवे लाइन बनेगी। आइआइटीजीएनएल के नाम जमीन ट्रांसफर होते ही निर्माण को टेंडर जारी होगा । रेलवे लाइन तैयार करने में दो साल लगेगा। इस पर 800 करोड़ रुपये से अधिक खर्च आएगा। लाजिस्टिक हब के आंतरिक हिस्से को पीपीपी माडल पर विकसित होगा। यहां कस्टम क्लीयरेंस की भी सुविधा होगी। इससे आयात-निर्यात से जुड़ी इकाइयों के कार्यों में भी तेजी आएगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण के उद्योगों की जरूरत को देखते हुए यह परियोजना बेहद अहम है। मुंबई, गुजरात, कोलकाता आदि जगहों पर यहां से माल जाने-आने में अभी चार से पांच दिन लगते हैं। इसके शुरू होने के बाद माल डेढ़ दिन में देश के किसी भी कोने में पहुंच सकेगा। यह परियोजना तीन साल में तैयार होगी। बोड़ाकी से मिलेंगी एक्सप्रेस ट्रेन: ट्रांसपोर्ट हब के अंतर्गत बोड़ाकी के पास रेलवे टर्मिनल, अंतरराज्यीय व लोकल बस अड्डा और मेट्रो कनेक्टिविटी की सुविधा विकसित होगी। रेल टर्मिनल बन जाने के बाद पूर्वी भारत की ओर जाने वाली अधिकतर ट्रेन यहीं से चलेंगी। गौतमबुद्ध नगर व उसके आसपास के लोगों को एक्सप्रेस ट्रेनें पकड़ने के लिए दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। 1.10 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार : ट्रांसपोर्ट, लाजिस्टिक हब और इंटीग्रेटेड टाउनशिप में 1.10 लाख युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। अप्रत्यक्ष रोजगार को भी जोड़ लें, तो रोजगार का यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा। इसमें से एक लाख रोजगार ट्रांसपोर्ट और लाजिस्टिक हब से और 10 हजार से अधिक रोजगार इंटीग्रेटेड टाउनशिप में लगने वाले उद्योगों में मिलेंगे। वर्जन..
गति शक्ति से जुड़ने से इन परियोजनाओं को और तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। ट्रांसपोर्ट हब व लाजिस्टिक हब दो ऐसे प्रोजेक्ट हैं। इनके पूरा होने से न सिर्फ गौतमबुद्ध नगर, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आर्थिक व परिवहन ढांचे में बदलाव दिखेगा। किसानों से जमीन प्राप्त कर दोनों परियोजनाओं को जल्द शुरू कराया जाएगा।